भारत और गबॉन गणतंत्र के बीच पारस्परिक संबंध

भारत और गबॉन के बीच गबॉन के स्वतंत्र होने के पहले से ही सौहार्दपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। गबॉन ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

श्री अली बोंगो ओंडिम्बा, गबॉन के राष्ट्रीय रक्षा वरिष्ठ मंत्री तथा गबॉन के तत्कालीन राष्ट्रपति ने नवम्बर, 2007 में भारत का दौरा किया। उन्होंने भारत के रक्षा मंत्री के साथ द्विपक्षीय बातचीत की और रक्षा प्रशिक्षण केंद्रों और उत्पादन सुविधाओं का मुआयना किया।

खान, पेट्रोलियम तथा हाइड्रोकार्बन मंत्री, श्री जूलियन नकोघे बेकालेन ने नई दिल्ली में आयोजित दूसरे भारत-अफ्रीका हाइड्रोकार्बन सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिसंबर, 2009 में भारत का दौरा किया।

खान, पेट्रोलियम तथा हाइड्रोकार्बन मंत्री, श्री जूलियन नकोघे बेकालेन ने नई दिल्ली में आयोजित दूसरे भारत-अफ्रीका हाइड्रोकार्बन सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिसंबर, 2009 में भारत का दौरा किया।

विदेश उप मंत्री ने 7वें "सी आई आई - एम्जिम बैंक कॉनक्लेव ऑन इंडिया अफ्रीका प्रोजेक्ट पार्टनरशिप" में भाग लेने के लिए 27-29 मार्च, 2011 के दौरान नई दिल्ली का दौरा किया।

<u>गबॉन के लिए भारत की ओर से आर्थिक सहायता:</u>

- भारत सरकार ने लिब्रेविल्ले के निकट बिकेले में एक आवासीय परियोजना के लिए मार्च, 2007 में 14.5 मिलियन अमेरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान की तथा जनवरी, 2008 में इसे प्रभावी बनाया। इस परियोजना के तहत 300 घरों एवं 4 जन सुविधाओं का निर्माण करने का लक्ष्य है। यह परियोजना गबॉन सरकार तथा इस परियोजना के लिए नियुक्त भारतीय कंसोर्टियम के बीच आगे निधि जारी करना, भारतीय कामगारों को वीजा/ निवास अनुज्ञप्ति प्रदान करना, इत्यादि जैसे विभिन्न मुद्दों पर असहमति होने की वजह से पूरी नहीं हो सकी है। एक्जिम बैंक ने इस परियोजना के लिए 4.35 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि प्रदान की है।

- भारत सरकार ने गबॉन की प्रसारण सुविधाओं को पुनर्स्थापित करने एवं इसका स्तरोन्नयन करने के लिए 67.19 मिलियन अमेरीकी डालर की राशि की दूसरी ऋण सहायता यथासमय प्रभावी हो जाएगी।

<u>क्षमता निर्माण कार्यक्रम :</u>

गबॉन को आई टी ई सी के तहत 25 स्लॉट आबंटित किए गए थे जिनमें से वर्ष 2012-13 के दौरान 4 स्लॉटों का उपयोग किया गया। वर्ष 2012-13 में, ए आई एफ एस के तहत 3 कार्मिकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

<u>सहायता</u> :

- गबॉन उन प्रथम 15 अफ्रीकी देशों में से था, जिन्होंने अखिल अफ्रीकी ई- नेटवर्क परियोजना का क्रियान्वयन किया था। इस परियोजना के तहत लिब्रेविल्ले में दूर- शिक्षा, दूर- चिकित्सा तथा वी वी आई पी कनेक्टिविटी की सुविधा संस्थापित कर दी गई है।

- अप्रैल, 2008 में नई दिल्ली में आयोजित पहले भारत अफ्रीका फोरम शिखर-सम्मेलन के परिणामस्वरूप अफ्रीकी संघ के साथ सहमत कार्य योजना के तहत, गबॉन में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की जाएगी।

भारतीय निवेश:

i. ऑयल इंडिया लि0 (ओ आई एल), इंडियन ऑयल लि0 के साथ साझेदारी में, शक्ति ब्लॉक, लैम्बेरेले में तेल का अन्वेषण कर रहा है। जुलाई, 2013 में, ओ आई एल द्वारा 41 मिलियन बैरल उपयोगी तेल का पता लगाया गया।

ii. भारती एयरटेल ने वर्ष 2010 में जैन कम्यूनिकेशन्स नेटवर्क का अधिग्रहण कर लिया था।

<u>व्यापार एवं वाणिज्यिक संबंध :</u>

गबॉन में बड़े तेल भण्डार, खनिज एवं अन्य प्राकृतिक संसाधन हैं। यह विश्व में मैगनीज का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। इस तरह, द्विपक्षीय सहयोग की व्यापक संभावना है।

भारत से गबॉन को निर्यात होने वाले प्रमुख वस्तुओं में मांस एवं मांस से बने पदार्थ, औषधीय पदार्थ, कपास, लोहा तथा इस्पात प्रमुख हैं गबॉन से आयात किए जाने वाले पदार्थों में लकड़ी एवं लकड़ी की वस्तुएं, अयस्क, धातु-मल तथा भस्म प्रमुख हैं

द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ें यहां नीचे दिए गए हैं :

(मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	**2006-07**	**2007-08**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**

निर्यात	16.63	25.90	21.65	25.02	37.55	47.00	54.17	52.59	42.67
आयात	115.50	120.58	175.12	180.58	307.71	146.26	816.43	868.47	793.06

भारतीय समुदाय :

गबॉन में रहने वाले लगभग 100 भारतीय हैं। वे मूलत: अवसंरचना परियोजनाओं, व्यापार, लकड़ी का निर्यात तथा धातू के कतरनों से संबद्ध कार्य में लगे हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, किंशासा की वेबसाइट :

http://eoi.gov.in/kinshasa/

***

जून, 2015